No. of Printed Pages : 4

MECE-004

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

04955 **June, 2019**

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION A
(Long-Answer Questions)

*Answer any **two** questions from this section.* 2×20=40

1. Discuss debt and equity as means of raising finance by a firm. In this context, discuss the Modigliani-Miller Hypothesis.

2. Explain the Capital Asset Pricing Model (CAPM). How does arbitrage pricing theory build upon the CAPM ?

3. Discuss the relationship among money supply, inflation and interest rates using Fisher's hypothesis.

4. What is a financial asset ? Explain three approaches to the risks associated with financial assets.

SECTION B

(Medium-Length Answer Questions)

*Answer any **five** questions from this section.* 5×12=60

5. What are the important links between loans and options ?

6. What do you understand by customs union and free trade area ? Explain the differences between the two.

7. Describe the process of issuing new shares. What is the role of an underwriter in it ?

8. What is an expected utility function ? What properties does an expected utility function have ?

9. Critically assess the suitability of the Linear Probability Model in the analysis of credit risk.

10. Distinguish between the following :
    (a) Money and Near-money
    (b) Yield of a bond and Return of a bond
    (c) Banks and Non-bank financial intermediaries

11. What are the major instruments of Monetary Policy in India ?

12. Write short notes on any ***two*** of the following :
    (a) Demat securities
    (b) Credit risk
    (c) Value-at-risk

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थान एवं बाज़ार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

*इस खण्ड से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *2×20=40*

1. किसी फर्म द्वारा वित्त एकत्र करने के उपाय के रूप में ऋण तथा अंश-पूँजी के निर्गम (ईक्विटी) पर चर्चा कीजिए । इस संदर्भ में, मोदिग्लियानी-मिलर संकल्पना पर चर्चा कीजिए ।

2. पूँजी परिसंपत्ति कीमत-निर्धारण प्रतिमान (CAPM) की व्याख्या कीजिए । अंतर्पण कीमत-निर्धारण सिद्धांत किस प्रकार इस CAPM का ही आगे विकास है ?

3. फिशर की संकल्पना का प्रयोग करते हुए मुद्रा की आपूर्ति, स्फीति और ब्याज की दरों के बीच संबंध की चर्चा कीजिए ।

4. एक वित्तीय परिसंपत्ति क्या होती है ? वित्तीय परिसंपत्तियों से जुड़ी जोख़िमों के प्रति तीन दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए ।

खण्ड ख

(मध्यम-उत्तरीय प्रश्न)

*इस खण्ड से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *5×12=60*

5. ऋणों एवं विकल्पों के बीच क्या महत्त्वपूर्ण संबंध होते हैं ?

6. शुल्क संघ और मुक्त व्यापार क्षेत्र से आप क्या समझते हैं ? इन दोनों के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

7. नए अंश-पत्र निर्गम की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । इस कार्य में 'अधोलेखक' की क्या भूमिका रहती है ?

8. प्रत्याशित उपयोगिता फलन क्या होता है ? इस फलन की क्या विशेषताएँ होती हैं ?

9. साख जोख़िम के विश्लेषण में रैखिक प्रायिकता प्रतिमान की उपादेयता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

10. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए :
    (क) मुद्रा और मुद्रा प्राय: (द्रव्यवत्-प्रपत्र)
    (ख) एक बाँड पर उत्पत्ति और एक बाँड पर प्रतिप्राप्ति
    (ग) बैंक एवं ग़ैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ

11. भारत में मौद्रिक नीति के मुख्य उपस्कर क्या हैं ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
    (क) विपत्रित-प्रतिभूतियाँ
    (ख) साख जोख़िम
    (ग) जोख़िम में मूल्य